



# सम्पादकीय

## चैंपियंस ट्रॉफी : भारतीय दबदबे का मंचन

देश में दिवाली एक हफ्ते पहले ही आ गई। भारत के चैंपियंस ट्रॉफी चैंपियन बनते ही देशभर में आकाश पटाखों की आवाज से गूंज गया। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा अभी कुछ माह पहले आईसीसी टी-20 विश्व कप जीतने पर जिस तरह भावुक हो गए थे, वैसे इस सफलता पर भावुक तो नहीं हुए पर खुशी जबर्दस्त दिखी। उन्होंने अपने साथ कई सफलताओं के साथी वियट कोहली के साथ स्टंप हाथ में लेकर डाइया खेलना शुरू कर दिया। भारतीय टीम ने सफेद गेंद से जिस तरह से पिछले कुछ समय में प्रदर्शन किया है, वह उसके विश्व क्रिकेट पर दबदबे की कहानी बताने के लिए पर्याप्त है। भारत ने पिछले साल के आखिर में टी-20 विश्व कप जीतने के बाद चैंपियंस ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। भारत ने जब 2023 में घर में हुए आईसीसी वनडे विश्व कप में अपनी क्षमता को प्रदर्शित नहीं कर सका था। उस समय में यह कहा जाने लगा था कि हम यह भूल गए हैं कि खिताब कैसे जीता जाता है। इसकी वजह भारत के हाथ से कई बार खिताब फिसलते देखा गया था। पर अब भारत के एक साल से भी कम समय में दो आईसीसी खिताब जीतने से लगता है कि वह अब जीतने का फामाल्ला पाने में सफल हो गया है। यह फामाल्ला कितने समय तक काटमार रहता है, यह देखने वाली बात होगी। भारत के पास आईसीसी के चार खिताबों में से दो पर कब्जा है। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल के लिए वह इस बार क्वालिफाई नहीं कर सका है। इसकी वजह घर में न्यूजीलैंड से सीरीज में सफाया कयने और फिर ऑस्ट्रेलिया से उसके घर में सीरीज हाथग्या रही। भारत को अब इन दोनों खिताबों पर कब्जा करने के लिए 2027 तक इंतजार करना पड़ेगा, क्योंकि आईसीसी वनडे विश्व कप का 2027 में आयोजन होना है और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की अगली साइकिल भी तब तक ही खत्म होगी। न्यूजीलैंड पिछले कुछ वर्षों में भारत के तगड़ी प्रतिद्वंद्वी के तौर पर उभरकर सामने आई है। इस फाइनल में भी जब उसने भारत के तीन विकेट फटाफट निकाल दिए थे, तो भारतीय कैप में हड़कंप मच गया और एकदम से खामोशी छा गई। कप्तान रोहित शर्मा और शुभमन गिल के बीच 105 रन की साझेदारी बनने से मैच के एकतरफा बनने के संकेत मिल ही रहे थे कि अगले 17 रनों में तीन विकेट निकल जाने से लगा कि कहीं मैच पलटने तो नहीं जा रहा है। पर इस स्थिति में श्रेयस अय्यर, हार्दिक पांडा, केएल अहलु और रविंद्र जडेजा ने बेहतरीन बल्लेबाजी करके भारत को खिताब तक पहुंचा दिया। असल में भारत के चार स्पिनर खिलाने के फैसले और इनमें दो अक्षर पटेल और रविंद्र जडेजा के बल्लेबाज होने से भारत की बल्लेबाजी में बहुत महइय आ गई थी। इसका भारत को हमेशा फायदा मिला और शुरूआती विकेट जल्दी निकल जाने तक भी बड़ा एकोर खड़ा करने की संभावनाएं बनी रहती थीं। यह साल ऐसा है, जिसने भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को जिंदगी के दोनों पक्ष दिखाए हैं। यहां एक और वह चैंपियंस ट्रॉफी जीतकर सफलता के मायने में महेंद्र सिंह धोनी से सिर्फ एक कदम ही पीछे हैं। वहीं दूसरी तरफ साल की शुरूआत में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर स्टावर्फ फॉर्म की वजह से सिडनी टेस्ट में खुद को टीम से बाहर कर लिया था। यह वह समय था, जब उनकी कहानी के साथ कॉन्ट्रैक्ट पर खालिया निशान लग रहे थे, लेकिन इस सफलता ने आलोचकों के मुंह पर ताला जड़ दिया है। रव्य में फाइनल में जिस तरह से उन्होंने 76 रनों की पाटी खेलकर भारत की जीत की राह बनाई, उससे क्रिकेट जगत उनका मुहेंद बन गया है।

निस्संदेह, भारत में 116 करोड़ से थोड़ा ज्यादा हिन्दू और 22 करोड़ से ज्यादा मुसलमान हैं तो दोनों को मिलजुल कर ही रहना है। यह दोनों समुदायों की जिम्मेवारी है कि वे एक दूसरे की भावनाओं, संवेदनाओं का ध्यान रखते हुए तथा अपने उत्सवों के महत्त्व के अनुसार ऐसा आचरण करें जिनसे समस्याएं पैदा नहीं हो।



संभल में होली और जुमे की नमाज देशव्यापी बहस और विवाद का विषय यूं ही नहीं बना हुआ है। हालांकि संभल के सीईओ अनुज चौधरी के वक्तव्य को आधार बनाकर कई पार्टियां, नेता और मीडिया का एक वर्ग आलोचना कर रहा है। इसका एक कारण है कि पिछले साल में होली और जुमे की नमाज एक ही दिन हो रही है तो निश्चित रूप से प्रशासन का दायित्व दोनों को शांतिपूर्वक संपन्न कराने की है। कोई एकपक्षीय बयान देकर किसी समुदाय को नाराज करे तो उसके विरुद्ध

आवाज उठनी चाहिए। किंतु क्या वाकई संभल का मामला ऐसा ही है? इससे जुड़े दोनों पक्षों को समझे बगैर हम कोई अंतिम निष्कर्ष नहीं दे सकते। निस्संदेह, भारत में 116 करोड़ से थोड़ा ज्यादा हिन्दू और 22 करोड़ से ज्यादा मुसलमान हैं तो दोनों को मिलजुल कर ही रहना है। यह दोनों समुदायों की जिम्मेवारी है कि वे एक दूसरे की भावनाओं, संवेदनाओं का ध्यान रखते हुए तथा अपने उत्सवों के महत्त्व के अनुसार ऐसा आचरण करें जिनसे समस्याएं पैदा नहीं हो। इसी तरह पुलिस प्रशासन का दायित्व हर हाल में शांति व्यवस्था बनाए रखने का पूवोपाय करना है। अगर कहीं समस्या पैदा हुई तो पुलिस प्रशासन के लिए उतर देना कठिन होता है। अनुज चौधरी का बयान इसी के संदर्भ में था। सच है कि उनके बयान की वो पंक्ति को निकाल कर हंगामा पैदा कर दिया गया और यही बताता है कि कुछ लोग किस तरह देश में संप्रदायिक तनाव, हिंसा पैदा करना चाहते हैं। यह वर्ग योगी आदित्यनाथ सरकार एवं नरेन्द्र मोदी सरकार के विरुद्ध माहौल बनाने के लिए झूठ का नैरेटिव चला रहा है। अनुज चौधरी के बयान को देखें तो उसमें यह पंक्ति है कि जुमे का नमाज वर्ष में 52 बार आता है जबकि होली एक बार। इसी में वे यह भी कह रहे हैं कि जिन्हें होली से समस्या हो वे उस दिन बाहर न निकलें। अपने पूरे वक्तव्य में वे कह रहे हैं कि हिन्दू समाज मुसलमानों की भावनाओं का ध्यान रखे और मुस्लिम समाज हिन्दुओं की भावनाओं का। इसमें गड़बड़ी करने वालों को चेतावनी भी दे रहे हैं। वह कह रहे हैं कि जिस तरह ईद के दिन लोग सेवैया खाते हैं, एक-दूसरे से गले मिलते हैं ठीक उसी तरह होली का त्यौहार भी है और इसको मुसलमान भी उसी रूप में लें, थोड़ा बड़ा हदय दिखाएं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

ने टीवी कार्यक्रम में यह कहते हुए उनका समर्थन किया है कि वह पहलवान है, अर्जुन अवाडी है और पहलवान की तरह स्पष्ट बोलता है। उन्होंने भी लगभग वही बातें बोली जो अनुज चौधरी ने कहा। इस तरह अनुज चौधरी का वक्तव्य योगी आदित्यनाथ सरकार के विचारों की ही अभिव्यक्ति है। यह सच है कि इसके पहले भी होली और जुमे का नमाज एक दिन हुआ है। किंतु यह कहने वाले भूल जा रहे हैं कि जिन शहरों या क्षेत्रों में मुस्लिम आबादी है वहां कई बार यह शांतिपूर्ण संपन्न हुआ तो कई बार अशांति पैदा हुई, हिंसा हुए, दंगे भी हुए। आप दोनों के इतिहास का अध्ययन करेंगे तो पाएंगे कि इनमें से बड़ी संख्या में हिन्दू उत्सवों या महत्त्वपूर्ण दिवसों के दिन या उनसे जुड़े हुए रहे। पिछले 3 वर्षों में हिन्दू धर्म से जुड़ी शोभा यात्राओं, महत्त्वपूर्ण तिथियों के दिन पत्थरबाजी, आगजनी, हमले और संप्रदायिक हिंसा हुए हैं। क्या हम पिछले वर्ष 24 नवम्बर को संभल में हुई हिंसा भूल गए? आखिर न्यायालय के आदेश से सर्वेक्षण टीम वहां आई थी, कहीं हिन्दुओं की भीड़ नहीं थी, कोई नारा नहीं था, अचानक हजारों लोग ईंट-पत्थर लेकर कहां से निकल पड़े? 24 नवम्बर, 2024 को हिंसा के बाद धीरे-धीरे पूरे संभल शहर में कब्जाए, जमीन में दबाई या विरक्त महत्त्वपूर्ण पूजा स्थल, कूप, बावरी निकल रहे हैं। संभल धार्मिक पुस्तकों में एक महत्त्वपूर्ण तीर्थ स्थल के रूप में विख्यात रहा है तथा कलचुग में भगवान कल्कि अवतार की भी भविष्यवाणी वही है। कल्पना करिए, उत्तर प्रदेश का एक छोटा शहर अगर हिन्दू धर्म स्थलों को निगल जाने, उन्हें विरक्त कर देने या धरती में दबा देने की भूमिका निभा रहा हो तो वहां की संप्रदायिक स्थिति क्या रही होगी? भारत का दुर्भाग्य है कि यहां

# सुरक्षा व्यवस्था का अहम स्तंभ

केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) - 10 मार्च, 1969 को स्थापित-भारतीय सुरक्षा व्यवस्था का एक महत्त्वपूर्ण स्तंभ है। इस बल का उद्देश्य देश के महत्त्वपूर्ण औद्योगिक प्रतिष्ठानों, हवाई अड्डों, परमाणु संयंत्रों, मेट्रो स्टेशनों और अन्य राष्ट्रीय परिसंपत्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। अत्याधुनिक तकनीक, कठोर प्रशिक्षण और अनुशासन के साथ सीआईएसएफ देश की सुरक्षा को अभेद्य बना रहा है। सीआईएसएफ की विशेषज्ञता औद्योगिक सुरक्षा तक सीमित नहीं है। यह बल देश के 66 से अधिक हवाई अड्डों, परमाणु संयंत्रों, अंतरिक्ष अनुसंधान केंद्रों, मेट्रो नेटवर्क और सरकारी प्रतिष्ठानों की सुरक्षा करता है। इसके अलावा, सीआईएसएफ महत्त्वपूर्ण सरकारी और निजी क्षेत्र के औद्योगिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा में भी तैनात है, जिनमें इस्पात संयंत्र, तेल रिफाइनरियां, बंदरगाह, जल विद्युत और थर्मल पावर प्लांट शामिल हैं। सीआईएसएफ का डॉग स्क्वाड दुनिया के

सबसे उन्नत सुरक्षा बलों में माना जाता है। यह विस्फोटकों और अन्य संदिग्ध सामग्रियों की पहचान में अत्यधिक कुशल है। साथ ही, सीआईएसएफ स्मार्ट सर्विलांस सिस्टम, बायोमेट्रिक सिस्टम, बाँडी स्कैनर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग करता है, जिससे किसी भी खतरे का प्रभावी ढंग से मुकाबला किया जा सकता है। सीआईएसएफ न केवल सुरक्षा का प्रतीक है, बल्कि महिला सशक्तिकरण का भी महत्त्वपूर्ण उदाहरण बन चुका है। इस बल में 7% से अधिक महिलाएं कार्यरत हैं, जो इसे केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों सीएपीएफ में महिला भागीदारी के मामले में अग्रणी बनाता है। 2024 के गणतंत्र दिवस पर पहली बार सीआईएसएफ की महिला बैंड टुकड़ी और महिला कमांडो टुकड़ी ने कर्तव्य पथ पर मार्च किया। इस ऐतिहासिक परेड ने नेतृत्व अफिरस्ट कमांडेंट तमस्यी मोहंती ने किया था। इस प्रदर्शन ने प्रमाणित किया कि



महिलाएं भारतीय सुरक्षा बलों में पुरुषों के समान योगदान देने में पूरी तरह सक्षम हैं। इसके अतिरिक्त, नवम्बर, 2024 में गृह मंत्रालय ने सीआईएसएफ की पहली ह्यूमैन्स-युग्म बटालियन के स्थापना की मंजूरी दी। इसमें 1,025 महिला कमांडो शामिल होंगे जिन्हें हवाई अड्डों, मेट्रो स्टेशनों, औद्योगिक प्रतिष्ठानों, वीआईपी सुरक्षा में तैनात किया जाएगा। सीआईएसएफ का विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम इसे अन्य सुरक्षा एजेंसियों से अलग बनाता है। इसमें जवानों को क्राउड कंट्रोल, एंटी-टेरर ऑपरेशंस, बायोमेट्रिक सिस्क्वैरिटी, साइबर सुरक्षा, और उच्चस्तरिय खुफिया विश्लेषण का प्रशिक्षण दिया जाता है। इस प्रशिक्षण का केंद्र राष्ट्रीय औद्योगिक सुरक्षा अकादमी है, जो हैदराबाद में है। यह अकादमी भारत ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सुरक्षा एजेंसियों को प्रशिक्षण देने के लिए प्रसिद्ध है। सीआईएसएफ आपदा प्रबंधन और आपातकालीन सेवाओं में भी

महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कोविड-19 महामारी के दौरान, सीआईएसएफकर्मियों ने लॉकडाउन के समय हवाई अड्डों और सार्वजनिक स्थलों की सुरक्षा सुनिश्चित की। सीआईएसएफ की दक्षता भारत तक सीमित नहीं है। संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों के तहत सीआईएसएफ के अधिकारी कई अंतरराष्ट्रीय अभियानों में शामिल रहे हैं। इसके अलावा, सीआईएसएफ भारत के पर्यटन स्थलों की सुरक्षा में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। ताजमहल, कुतुब मीनार, और अन्य ऐतिहासिक स्थलों की सुरक्षा सीआईएसएफ के अधीन है, जिससे पर्यटकों को सुरक्षित और संरक्षित माहौल मिलता है। 20 मई, 2024 से सीआईएसएफ को संसद भवन की सुरक्षा की जिम्मेवारी भी सौंपी गई। पहले यह कार्य केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल सीआरपीएफ द्वारा किया जाता था। सीआईएसएफ की औद्योगिक सुरक्षा और आतंकवाद विरोधी अभियानों में विशेषज्ञता को देखते हुए वह महत्त्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई।

# कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट शुरू, टैरिफ को लागू होने में समय लगेगा



तेल की कीमतें गिरकर अक्टूबर 2024 के बाद से अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंच गयी हैं और सभी संकेतों से लगता है कि गिरावट अभी खत्म नहीं हुई है। ब्रेंट पहले ही 70 डॉलर प्रति बैरल से नीचे गिर चुका है क्योंकि बाजार आपूर्ति में कमी का भार महसूस कर रहा है। ओपेक+ बैरल पहले से ही अच्छी आपूर्ति वाले सिस्टम में बाढ़ ला सकते हैं, जिससे किसी भी सार्थक मूल्य सुधार पर रोक लग सकती है। यह इस तथ्य के बावजूद है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के प्रतिबद्धों और टैरिफ से प्रत्याशित आपूर्ति घाटे को अभी तक प्रशासन के उतार-चढ़ाव को देखते हुए गंभीर नहीं माना गया है। कीमतों का एशियाई उपभोक्ताओं पर पहले से ही सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। सऊदी अरब ने एशिया की कीमतों में और कटौती की घोषणा की है, क्योंकि वह उत्पादक कीमतों में गिरावट के बावजूद अपने बाजार शोहरों की रक्षा करना चाहता है। विश्लेषकों ने इस बात पर प्रकाश डाला है कि ओपेक+ द्वारा बैरल की क्रमिक वापसी और अमेरिकी टैरिफ के अनिश्चित प्रभावों के कारण तेल बाजार मंदी की भावनाओं से जूझ रहा है। नीति अनिश्चितता और अधिक आपूर्ति के बीच संवेदनशील संतुलन से पता चलता है कि जब तक मांग में सुधार नहीं होता या उत्पादन में कटौती नहीं की जाती, कीमतों में सुधार के लिए संघर्ष करना पड़ सकता है। अमेरिकी टैरिफ की शुरूआत, विशेष रूप से राष्ट्रपति ट्रम्प की उतार-चढ़ाव वाली टैरिफ नीतियों ने बाजार में महत्त्वपूर्ण अस्थिरता और निवेशक अनिश्चितता पैदा की है। अमेरिकी डॉलर कमजोर हुआ, जिससे यूरो में वित्तीय संकट के बाद से सबसे बड़ी साप्ताहिक वृद्धि हुई। यूरोप में, शोहर बाजारों में गिरावट आई, जो जर्मनी में नरम फैक्टरी डेटा और टैरिफ-संबंधी चिंताओं से बड़ी व्यापक आर्थिक चिंताओं को दर्शाती हैं। वैश्विक व्यापार तनावों ने चीन को भी प्रभावित किया है, बढ़ते व्यापार युद्ध की आशंकाओं के बीच इसके आयात में काफी गिरावट आई है, जिससे वैश्विक आर्थिक स्थिरता पर और

असर पड़ा है। रूस के उप प्रधानमंत्री की टिप्पणियों के बाद कीमतों में थोड़ी तेजी देखी गयी, जिसमें सुझाव दिया गया कि ओपेक+ तेल उत्पादन बढ़ाने के अपने फैसले को पलट सकता है। अप्रैल में अधिक तेल पंप करने की योजना के बावजूद, ब्रेंटक्रूड की कीमतें 71 डॉलर प्रति बैरल से अधिक हो गयीं। अपने रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार को फिर से भरने के लिए 20 बिलियन डॉलर का तेल खरीदने के अमेरिकी इरादे ने भी कीमतों को बढ़ाया। अपने उत्पादन में वृद्धि के बाद उत्पादन में कटौती करने की कजाकिस्तान की प्रतिज्ञा ने बाजार की जटिलता को और बढ़ा दिया। लेकिन यह बरकरार नहीं रह सका क्योंकि संभावित तेल की अधिकता और अमेरिकी आर्थिक स्वास्थ्य और व्यापार शुल्कों के प्रभाव को लेकर चिंता बनी रही। विश्लेषकों का कहना है कि अमेरिकी विकास और चीन मांग अनिश्चित हैं। 2025 की शुरूआत में चीन के तेल आयात में 5 प्रतिशत की गिरावट आयेगी। इसके बावजूद, एक छोटा चीनी भंडार कीमतों में महत्त्वपूर्ण गिरावट को रोक सकता है। ईरान के खिलाफ हाल ही में अमेरिकी नीतिगत उपायों के बावजूद,

ओपेक+ को अब एक उच्च-दांव संतुलन कार्य का सामना करना पड़ रहा है- सदस्य राज्यों को अधिक राजस्व की आवश्यकता है, लेकिन यदि आपूर्ति मांग से अधिक हो जाती है, तो कीमतों पर और भी अधिक दबाव आ सकता है। आने वाले हफ्तों में व्यापक आर्थिक संकेतक बाजार के लिए दिशा-निर्देशक होंगे। मुद्रास्फीति के रुझान, ब्याज दर के निर्णय और वैश्विक जीडीपी वृद्धि यह निर्धारित करेगी कि मांग मजबूत होगी या कमजोर।

जिसमें उसके तेल निर्यात को रोकने की योजना भी शामिल है, ओपेक+ और गैर-ओपेक उत्पादकों से आपूर्ति में वृद्धि के कारण बाजार में गिरावट का जोखिम है। ओपेक+ ने अप्रैल से प्रतिदिन 138,000 बैरल उत्पादन वृद्धि की घोषणा की, जिससे आपूर्ति की अधिकता की चिंता बढ़ गयी। मोक्सिको और केनडा पर अमेरिकी टैरिफ की धमकियों और ओपेक+ द्वारा अप्रैल में उत्पादन फिर से शुरू करने की योजना की पुष्टि के कारण कीमतों में गिरावट आई है। टैरिफ, जो शुरू में प्रभावी होने वाले थे, अब स्थगित कर दिये गये हैं, जिससे कीमतों में थोड़ी तेजी आई है, लेकिन कच्चे तेल पर दबाव बना हुआ है। केनडा के जवाबी टैरिफ अभी भी लागू हैं और चीन अगले सप्ताह जवाबी टैरिफ पर कार्रवाई करेगा। बाजार आपूर्ति में कमी का भार महसूस कर रहा है, जबकि ओपेक+ बैरल पहले से ही अच्छी आपूर्ति वाले सिस्टम में बाढ़ ला रहे हैं, जिससे किसी भी सार्थक मूल्य सुधार पर रोक लगी हुई है। ओपेक+ मांग के स्थिर रहने पर भरोसा कर रहा है, लेकिन इस समय और अधिक तेल आपूर्ति बढ़ाने से बाजार का संतुलन बिगड़ने का जोखिम है और बाजार के कटौती (कोमिडिटीप्यूचर्स का मूल्य स्पॉट मूल्य से अधिक होने की स्थिति) में पलटने का जोखिम है। टैरिफ की धमकियों ने बाजारों में हलचल मचा दी, न केवल संभावित व्यापार व्यवधानों के कारण, बल्कि उर्जा आपूर्ति शृंखलाओं में भी जवाबी कार्रवाई की आशंकाओं के कारण। जबकि टैरिफ में तेरी ने थोड़ी राहत की संस दी है, बाजार अभी भी नीति अनिश्चितता और अति आपूर्ति चिंताओं के बीच एक कठिन राह पर चल रहा है। ओपेक+ को अब एक उच्च-दांव संतुलन कार्य का सामना करना पड़ रहा है- सदस्य राज्यों को अधिक राजस्व की आवश्यकता है, लेकिन यदि आपूर्ति मांग से अधिक हो जाती है, तो कीमतों पर और भी अधिक दबाव आ सकता है। आने वाले हफ्तों में व्यापक आर्थिक संकेतक बाजार के लिए दिशा-निर्देशक होंगे।



# होली के जुलूस, जुमे की नमाज पर जमीं से आसमां तक होगी निगरानी

## खास खबर

### बोलीविया में भारी बारिश, 40 लोगों की मौत

ला पाज। बोलीविया में भारी बारिश और उसके कारण आई बाढ़ से 40 लोगों की मौत हो गयी है और सात अन्य लापता हैं।नागरिक सुरक्षा उप मंत्री जुआन कार्लोस कैल्चिमोटस ने चेतावनी दी है कि सोमवार को सुबह ला पाज शहर में भूस्खलन के कारण 80 घर क्षतिग्रस्त या नष्ट हो गए, जिसके बाद मृतकों की संख्या बढ़ सकती है।अधिकारियों ने और अधिक जान-माल के नुकसान से बचने के लिए प्रभावित क्षेत्र को पूरी तरह से खाली करने का आदेश दिया है और लोगों से भूस्खलन के जोखिम वाले प्रतिबंधित क्षेत्र से दूर रहने का आग्रह किया है। नागरिक सुरक्षा की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार रविवार तक 163,193 परिवार या तो विस्थापित हो गये .

### गाजा में इजरायल के हमले से एक नागरिक की मौत

**गाजा/वरुशलम।** फिलिस्तीन के गाजा में बुरेज शरणार्थी शिविर पर इजरायल की ओर से किए गए हवाई हमले में एक फिलिस्तीनी नागरिक की मौत हो गई और कई अन्य घायल होे गए।प्रत्यक्षदर्शियों और स्थानीय सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी शिन्हुआ को दी। सूत्रों के अनुसार एक इजरायली ड्रोन ने कल शरणार्थी शिविर के उत्तर-पूर्व में फिलिस्तीनियों के एक समूह पर मिसाइल दागी, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गयी और कई अन्य घायल हो गए। इजरायली रक्षा बलों (आइडीएफ) के एक वक्ता ने सोमवार को कहा कि इजरायली सेना ने गाजा शहर और मध्य गाजा में नुसेरात शरणार्थी शिविर में आतंकवादियों को निशाना बनाया।प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि गाजा सिटी के शुजाइय्या में तीन लोगों को आईडीएफ जवानों के पास विस्फोटक उपकरण लगाने का प्रयास करते देखा गया। उन्होंने कहा, जवानों ने उन पर गोलीयां चलाई।

### कोलंबिया में भूस्खलन से चार लोगों की मौत

**बागोटा।** दक्षिणी कोलंबिया के नारिनो में भूस्खलन के कारण चार लोगों की मौत हो गई और लगभग 100 परिवार बेघर हो गए है।स्थानीय अधिकारियों ने सोमवार को इसकी पुष्टि की।नारिनो के गवर्नर लुइस अल्फोंसो एस्कोबार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कहा, 'बारिश के कारण कई शहरों में आगंत स्थिति पैदा हो गई है लेकिन सबसे विनाशकारी स्थिति पारसी शहर के एक एकाकी (समुग्र्य) में हुई जहां भूस्खलन ने चार लोगों की जान ले ली और गंभीर क्षति हुई।'भूस्खलन से 400 से अधिक परिवार प्रभावित हुए एवं कई सड़कें क्षतिग्रस्त हो गईं और तीन जलसेतु ढह गए।

## मॉरीशस में मोदी.....

उनके साथ बातचीत की। इस पल को वहां मौजूद लोगों ने कैमरे में कैद किया। वीडियो में पीएम मोदी का सरल और सहज स्वभाव नजर आ रहा था, जब वह स्थानीय लोगों से मिलकर उनका अभिवादन स्वीकार कर रहे हैं। उनके इस व्यक्तिगत स्नेहिल व्यवहार को देखकर लोग बेहद खुश थे।थवा दें कि प्रधानमंत्री मोदी मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम के निमंत्रण पर 12 मार्च को राष्ट्रीय दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।यह यात्रा भारत-मॉरीशस संबंधों में एक महत्वपूर्ण कदम है, क्योंकि 2015 के बाद से यह प्रधानमंत्री मोदी की मॉरीशस की पहली यात्रा है।इस समय प्रधानमंत्री मोदी ने भारत के विजन सागर ( क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास) को रेखांकित किया था और हिंद महासागर क्षेत्र में सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया था।प्रधानमंत्री मोदी अपनी यात्रा के दौरान मॉरीशस के राष्ट्रपति से मुलाकात करेंगे और प्रधानमंत्री के साथ चर्चा करेंगे। वह वहां के अन्य वरिष्ठ गणमान्य व्यक्तियों से भी मिलेंगे।।इसके अलावा, वह भारतीय मूल के समुदाय के सदस्य से भी बातचीत करेंगे, जो मॉरीशस के समाज और संस्कृति का एक अहम हिस्सा हैं।प्रधानमंत्री मोदी के एजेंडे में दो प्रमुख परियोजनाओं का उद्घाटन भी शामिल है: सिविल सर्विस कॉलेज और क्षेत्रीय स्वास्थ्य केंद्र।

### महाकुंभ ने प्रयागराज का किया.....

ने महाकुम्भ-2025 की नींव को सुदृढ़ करने का प्रयास किया। परिणामस्वरूप प्रयागराज में महाकुम्भ का भव्य और दिव्य आयोजन सम्भव हो सका। उन्होंने महाकुम्भ के स्वच्छताकर्मियों के सम्मान समारोह के आयोजन के लिए भारत समाचार को बधाई देते हुए कहा कि यह पहला मीडिया संगठन है, जिसने प्रदेश सरकार के पश्चात महाकुम्भ के स्वच्छताकर्मियों को सम्मानित किया है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सैकड़ों वर्षों से देश से बाहर रह रहे भारतीयों के मन में महाकुम्भ में स्नान की तीव्र उत्कंठा थी। उनकी इस आस को प्रयागराज महाकुम्भ ने पूरा किया।

अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन सहित दुनिया के अनेक देशों के लोग अपने वृद्ध माता-पिता को महाकुम्भ का दर्शन कराने के लिए निरन्तर सम्पर्क कर रहे थे। देखते ही देखते प्रयागराज में श्रद्धालुओं की संख्या 66 करोड़ 30 लाख से अधिक पहुंच गई। जो

### सत्ता संकेत, ब्यूरो चीफ।

**अम्बेडकर नगर।** होली के जुलूस और जुमे की नमाज के समय कोई सांप्रदायिक माहौल न बिगाड़ सके, इसके लिए जमीन से लेकर आसमान तक निगरानी की जाएगी। पुलिस विभाग ने जुलूस के रास्तों का ड्रोन के माध्यम से मैपिंग कराई है और इसके वीडियो व फोटो एकत्रित किए जा रहे हैं।

अगर किसी छत पर ईंट पत्थर या अन्य सामग्री मिलती है तो उसे हटवाया जाएगा।जुलूस के समय पुलिस और पीएसी के जवानों के साथ कैमरों से निगरानी की जाएगी।

वहीं जुमे की नमाज के समय मस्जिदों के आसपास सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहेंगे। स्थानीय पुलिस के साथ ही दो प्लाटून

पीएसी को सुरक्षा की निगरानी में बुला लिया गया है।

#### 13 मार्च को निकले वाला जुलूस

- अकबरपुर कोतवाली के लोरपुर मोहल्ले में सुबह आठ बजे।
- बसखारी थाने के बसखारी कस्बे से रात 8:30 बजे
- इब्राहिमपुर थाने के इल्तिफातगंज बाजार में आठ बजे।- हसंवर थाने के दुर्गा मंदिर से शाम छह बजे।
- जलालपुर के वाजिदपुर में रात 9 बजे।

**14 मार्च को यहां से निकलेगा जुलूस**

- अकबरपुर कोतवाली के लोरपुर से सुबज 10 बजे और दोपहर तीन बजे।
- बसखारी थाने के किछौछ दरगाह से

सुबह 10 बजे।
- बसखारी थाने के मसडा मोहनपुर से दोपहर दो बजे।
- बसखारी थाने के किछौछ दरगाह से दोपहर तीन बजे
- टांडा कोतवाली के झारखंडी मंदिर और मुबारकपुर काली माता मंदिर से सुबह नौ बजे।
- अलीगंज थानाक्षेत्र खासपुर और दहियावर से सुबह 10 बजे।
- अलीगंज थानाक्षेत्र कस्बा अलहलादपुर और हजियापुर से सुबह 10 बजे।

#### छत पर तैनात रहेगी पुलिस

जिले की मिश्रित आबादी में जुलूस निकले के दौरान पुलिस छतों से भी निगरानी करेगी। जुलूस मार्ग पर ऐसे मकानों को पुलिस ने चिह्नित कर लिया है।

### आगामी पर्व/त्यौहार में कानून व्यवस्था के दृष्टिगत डीएम व एसपी ने किया भ्रमण

# त्यौहार/पर्व आपसी सद्भाव, अमन चैन के साथ मनाया जाए: डीएम

रायबरेली।

जिलाधिकारी हर्षिता माधुर व पुलिस अधीक्षक डॉ0 यशवीर सिंह ने होली व रमजान पर्व को जनपद में शांति, सद्भाव के साथ सकुशल संपन्न कराने हेतु कानून व्यवस्था के दृष्टिगत थाना क्षेत्र नसीराबाद व परशेदपुर का भ्रमण कर होलिका दहन स्थलों का स्थलीय निरीक्षण किया गया।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों से

ल्योहारों के अवसर पर विशेष रूप से सतर्कता

बरतने के निर्देश दिये और कहा कि

त्योहार/पर्व में कानून एवं शांति व्यवस्था के

दृष्टिगत किसी भी प्रकार की समस्या/विवाद

की जानकारी प्राप्त होने पर संबंधित विभागीय

अधिकारियों से शीघ्र उसका समाधान करा

लें। समस्त कार्यक्रम परम्परागत ढंग से ही



सम्पन्न कराये जाये एवं कोई नवीन परम्परा को उत्पन्न न होने दिया जाये। पर्वों पर प्रयुक्त होने वाले स्थलों/मार्गों की अनिवार्यतः साफ-सफाई कराई जाए, पानी और बिजली की नियमित आपूर्ति की जाये। नगरीय क्षेत्र में संबंधित नगर पालिका/नगर पंचायत एवं ग्रामीण क्षेत्र में ग्राम पंचायत द्वारा सफाई का कार्य सम्पन्न कराया जाये। महिलाओं एवं

बालिकाओं के साथ किसी प्रकार का अभद्र

व्यवहार जबरन रंग लगाने आदि का कार्य न

होने पाये। प्रत्येक कार्यक्रम स्थलों पर प्रकाश

की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करायी जाये।

जिलाधिकारी ने आगामी दिनों में होने वाले

रमजान एवं होली के पर्व को जनपद में शांति

एवं सद्भाव के साथ मनाने की अपील की है।

उन्होंने कहा कि सभी धर्मों के मतावलम्बियों

### जमानत के बाद भी नहीं मिल सकी रिहाई, धारा 69 का है रोड़ा

# जेल में ही मनेगी राकेश की होली

सीतापुर ।

जिला कारागार में दुष्कर्म के आरोप में बंद सांसद राकेश राठौर की मंगलवार को जमानत याचिका मंजूर हो गई। गिरफ्तारी के चालीस दिन बाद जमानत याचिका मंजूर हुई है। वहीं, सांसद की जमानत की खबर पर उनके समर्थकों में हर्ष है। सांसद के भाई अनुपम राठौर ने कहा कि ईश्वर न्याय जरूर करता है। सत्य परेशान हो सकता है लेकिन पराजित नहीं हो सकता है। बता दें कि हाइकोर्ट की लखनऊ बेंच की एकल पीठ ने मंगलवार को सांसद राकेश राठौर की नियमित जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए जमानत मंजूर कर दी। न्यायाधीश राजेश सिंह चौहान की एकल खंडपीठ ने जमानत दी है। सांसद की जमानत याचिका पर पिछली सुनवाई 27 फरवरी को हुई थी। उस समय कोर्ट ने विवेचक को केस डायरी के साथ विवेचना पूरी कर प्रकरण प्रस्तुत करने को कहा था। गौरलब्ध है कि 17 जनवरी को सांसद पर दुष्कर्म का केस दर्ज हुआ था। सांसद की



अग्रिम जमानत याचिका खारिज होने के बाद 30 जनवरी को उन्हें जेल भेज दिया गया था।

हालांकि जमानत होने के बाद भी सांसद जेल से रिहा नहीं हो पाएंगे। ऐसा इसलिए है क्योंकि पुलिस ने विवेचना कर मंगलवार को चार्जशीट दाखिल कर दी। इसमें विवेचक ने बीएनएस की धारा 69 को बढा दिया है। बीएनएस 69 के तहत शादी का झूठा वादा करके महिला के साथ शारीरिक संबंध बनाने को अपराध माना गया है। जबकि मामले की सुनवाई धारा 64 दुष्कर्म के आरोप में हो रही थी। ऐसे में चार्जशीट

दाखिल होने के बाद अब सांसद को नई धारा के तहत जमानत करनी होगी। हाईकोर्ट में करीब दो घंटे तक बहस चली। ऐसा माना जा रहा है कि सांसद को जमानत इस आधार पर मिली है कि पीड़िता ने चार साल होने के बाद भी आखिर तब केस दर्ज क्यों नहीं कराया है। ऐसे में सांसद की होली जेल में ही मनेगी। हालांकि उनकी जमानत मंजूर होने पर समर्थकों में खुशी की लहर है। जमानत मंजूर होने के बाद सांसद के लोहारबाग स्थित आवास पर बधाई देने वालों का तांता लगा रहा।

#### 40 दिन बाद मिली जमानत

जिला कारागार में दुष्कर्म के आरोप में बंद सांसद राकेश राठौर की मंगलवार को जमानत याचिका मंजूर हो गई। गिरफ्तारी के चालीस दिन बाद जमानत याचिका मंजूर हुई है। वहीं, सांसद की जमानत की खबर पर उनके समर्थकों में हर्ष है। सांसद के भाई अनुपम राठौर ने कहा कि ईश्वर न्याय जरूर करता है। सत्य परेशान हो सकता है लेकिन पराजित नहीं हो सकता है।

# गंगा जमुनी तहजीब की झलक दिखाता है टांडा का होली मिलन समारोह

सत्ता संकेत, ब्यूरो चीफ।

**विद्युतनगर (अंबेडकरनगर)।** बुनकर नगरी टांडा में होली की शाम मिलन समारोह की परंपरा लगातार 60 वर्ष से चली आ रही है। इस मौके पर रंगमंच से कार्यक्रमों का आयोजन होता है, जिसे देखने व सुनने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं। इसमें ससम्मान तीन प्रमुख उपाधियां भी दी जाती हैं और युद्धुदी पत्रिका का विमोचन भी होता है।गंगा-जमुनी तहजीब के लिए जाना जाने वाले टांडा नगर में होली की शाम पुराने रामलीला मैदान पर भव्य-व्यंय के चलते लोगों ने चौक घंटाघर से लेकर आर्य कन्या स्कूल तक जाने मार्ग का नाम भी बदल

मिलकर बधाई देते हैं। नगर के प्रतिष्ठित सेठ स्व. काशी प्रसाद खेमानी ने वर्ष 1965 में इसकी शुरुआत की थी। शुरुआती दिनों में कार्यक्रम के आयोजन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। धीरे-धीरे कार्यक्रम का विस्तारण किया गया। लोगों के लिए मनोरंजन कार्यक्रमों से लेकर सम्मान समारोह का भी आयोजन शुरू हुआ।प्रतिष्ठित लोगों को महाघाघ, मुख्याधिराज तथा महामूर्ख की उपाधि से नवाजे जाने की परंपरा ने लोगों को आकर्षित करना शुरू किया। उपाधि से विभूषित कर करके तीनों को मुकुट पहनाया जाता है। हास्य-व्यंग्य के चलते लोगों ने चौक घंटाघर से लेकर आर्य कन्या स्कूल तक जाने मार्ग का नाम भी बदल

दिया गया। इस कार्यक्रम में मुस्लिम संप्रदाय के लोग भी बढ़-चढ़कर सहयोग करते हैं। इस सामाजिक विरासत को ईश्वर दयाल जायसवाल बख्शी निभा रहे हैं। वह बताते हैं कि परंपरा का निर्वहन टांडा में दशकों से होता चला आ रहा है।

#### ये हैं प्रमुख उपाधियां

गिटगिटान विभाग यानी (राजनेता और पिछलग्गू नेता ), कुशासन विभाग (प्रशासनिक अमला), लूट-खसोट विभाग (नगर पालिका), बैठ-ठाले विभाग (कवि, शायर, समाजसेवी), जमाखोर विभाग(बैंक), झगड़ा लगाओ विभाग (अधिवक्ता), चुगलखोर विभाग (पत्रकार),नलेवा विभाग (चिकित्सक),

## होली में दो दिन निर्बाध मिलेगी बिजली, भरपूर होगी पानी आपूर्ति

सत्ता संकेत, ब्यूरो चीफ।

**अम्बेडकर नगर** होली के रंग में भंग न पड़े, इसके लिए विद्युत विभाग व निकाय प्रशासन ने पूरी कार्ययोजना बना ली है। शासन के निर्देश पर 13 व 14 मार्च को पूरे शहर में निर्बाध बिजली दी जाएगी। इसके साथ सुबह, दोपहर व शाम को भरपूर पानी उपलब्ध कराया जाएगा।होली के त्योहार को देखते हुए विद्युत विभाग पिछले कई दिनों से ट्रंसफार्मर सहित अन्य उपकरणों की मरम्मत करा रहा है। शहर में फ्लटी लाइन के स्थान पर आरई केबल बिछाने के साथ जर्जर खंभे भी बदलवाए जा रहे हैं।

एक्सईएन आशीष यादव ने बताया कि शहर के सभी बिजली उपकेंद्रों पर उपकरणों की मरम्मत का कार्य पूरा हो चुका है। होली पर लाइनों पर होने वाले फॉल्ट जल्द ठीक करने के लिए सभी स्टेशनों पर जेई व सॉिदा कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। एसडीओ 24 घंटे बिजली आपूर्ति की निगरानी करते रहेंगे। यदि कहीं ट्रंसफार्मर फुंक जाता है तो अस्थायी संकट दूर करने के लिए चार

मोबाइल ट्रॉली तैयार कराई गई हैं। बनाया गया कंट्रोल रूम अशीषध्व अभियंता कार्यालय में कंट्रोल रूप की स्थापना कर दी गई है। उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए मो. 9415099672 नंबर जारी कर बकायदा कर्मचारियों को तैनाती कर दी गई है। किसी प्रकार की असुविधा होने पर विभागीय नंबर पर शिकायत कर उपभोक्ता निदान पा सकेंगे।

**सुबह, दोपहर शाम पानी की होगी आपूर्ति**

नगर पालिका अकबरपुर ने होली पर सुबह, दोपहर व शाम तीन बार पानी की आपूर्ति कराई जाएगी। अधिशासी अधिकारी बीना सिंह ने बताया कि सुपरवाइजरों की टंकी व नलक्यों पर ड्यूटी लगाई जा रही है, जिससे सभी टंकियां समय पर भर सकें। यदि शहर में कहीं पानी की समस्या होती है, तो ऐसे क्षेत्रों में टैंकों के माध्यम से पानी की आपूर्ति कराई जा सकेगी। खराब नलकूप व सबमर्सिबल भी प्राथमिकता पर ठीक करा दिए गए हैं। अन्य निकाय क्षेत्रों में भी ऐसे इंतजाम किए जा रहे हैं।

# चुनावी प्रक्रिया को और मजबूत करने के लिए पार्टी अध्यक्षों एवं वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक सम्पन्न



**सत्ता संकेत, ब्यूरो चीफ।**

**अम्बेडकर नगर।** चुनाव आयोग ने कानूनी ढांचे के भीतर चुनावी प्रक्रियाओं को और मजबूत करने के लिए पार्टी अध्यक्षों और वरिष्ठ नेताओं को बातचीत के लिए आमंत्रित किया। भारत के चुनाव आयोग सभी राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों से 30 अप्रैल, 2025 तक ईआरओ, डीईओ या सीईओ के स्तर पर किसी भी अनसुलझे मुद्दे के लिए सुझाव आमंत्रित किए हैं। आज राजनैतिक दलों को जारी एक व्यक्तिगत पत्र में आयोग ने स्थापित कानून के अनुसार चुनावी प्रक्रियाओं को

कार्यवाही रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था। आयोग ने राजनीतिक दलों से विकेंद्रीकृत जुड़ाव के इस तंत्र का सक्रिय रूप से उपयोग करने का भी आग्रह किया। संविधान और वैधानिक ढांचे के अनुसार चुनाव प्रक्रिया के सभी पहलुओं को कवर करने वाले आयोग द्वारा पहचाने गए 28 हित धारकों में से राजनीतिक दल भी एक प्रमुख हितधारक है। राजनीतिक दलों को लिखे अपने पत्र में आयोग ने यह भी उल्लेख किया है कि जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1950, और 1951, मतदाताओं का पंजीकरण नियम 1960, चुनाव संचालन नियम 1961, माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेश और भारत के चुनाव आयोग द्वारा समय-समय पर जारी किए गए निर्देश, मैनुअल और हैंडबुक (ईसीआई वेबसाइट पर उपलब्ध) ने स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए एक विकेंद्रीकृत मजबूत और पारदर्शी कानूनी ढांचा स्थापित किया है।।उक्त आशय की जानकारी जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अविनाश सिंह द्वारा दिया गया है।

